अब तक हमने क्या सीखा?

यह सब कार्बनिक पदार्थ एवं सूक्ष्मजीवों के बारे है !

- मृदा को हमेशा ढ़क कर रखें (आच्छादन)
- अधिक से अधिक कार्बनिक पदार्थो का उपयोग करें

प्रक्षेत्र को कार्बनिक पदार्थो श्रोत क्यूँ बनायें ?

प्रक्षेत्र में कार्बनिक पदार्थ अधिक मात्रा में आवश्यक होंगे जिसकी पर्याप्त आपूर्ति बाहर से नहीं की जा सकती है।

अपने प्रक्षेत्र से अधिक मात्रा में कार्बनिक पदार्थ कैसे प्राप्त करें?

- फसल विविधिकरण अपना कर
- स्थानीय बीज एवं फसल प्रणाली का उपयोग कर
- प्रक्षेत्र पर कम्पोस्ट इकाई स्थापित कर

क्या मृदा को पुनः जीवित बनाने के लिए कार्बनिक पदार्थ पर्याप्त होंगे?

पौधों को पोषण देने के लिए जैव-उत्तप्रेरकों जैसे

- बीजामृत,
- घनजीवामृत,
- जीवामृत, इत्यादि की भी आवश्यकता होगी

नाशीजीव एवं व्याधियों का प्रबन्धन

पौध स्वास्थ्य प्रबन्धन के प्राकृतिक विधियों द्वारा बचाव

- ट्रैप क्राप
- प्रकाश एवं चिपचिपा ट्रैप
- नाशीजीवों के प्राकृतिक शत्रु
- वानस्पतिक सत जैसे- नीमास्त्र, दसपर्णीय, ब्रह्मास्त्र इत्यादि के उपयोग द्वारा फसल का बचाव किया जा सकता है ।

प्राकृतिक खेती के सिद्धान्त

365 दिन फसल से आच्छादन

जैव- उत्तप्रेरक

स्थानीय बीज का उपयोग

फसल विविधिकरण

कृषि रसायनों से मुक्त नशीजीव प्रबन्धन

न्यूनतम मृदा जुताई

स्थानीय बीज का उपयोग

कृषि रसायनों अनुपयोग

: अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें :

कृषि विज्ञान केन्द्र, बाँदा
प्रसार निदेशालय
बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय,
बाँदा-210001 (उत्तर प्रदेश),भारत
Website : www.banda.kvk4.in,
Web Portal : www.kvk.icar.gov.in
E-mail - kvkbanda@gmail.com

Outscaling of Natural Farming through KVKs Project
आई०सी०ए०आर०, अटारी, कानपुर (उ०प्र०) द्वारा वित्तपोषित

सन्दर्भ सं –BUAT/KVK-BD/2024/82

प्राकृतिक खेती के सिद्धान्त की समझ

चंचल सिंह, मानवेंद्र सिंह, दीक्षा पटेल,
प्रज्ञा ओझा, श्याम सिंह, नरेन्द्र सिंह,
आनन्द सिंह, पंकज ओझा एवं एन.के. बाजपेयी

कृषि विज्ञान केन्द्र, बाँदा
प्रसार निदेशालय
बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
बाँदा–210001 (उत्तर प्रदेश), भारत

- तकनीकी स्रोत -
राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज), हैदराबाद

आपकी मृदा कैसी है ?

हम कैसे मृदा को पुनः जीवित कर सकते हैं?

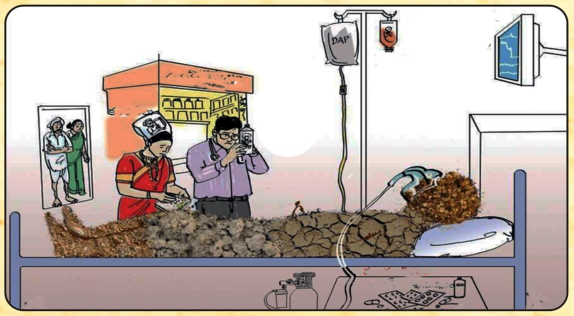

हम मृदा की नमी को कैसे सुधार सकते है?

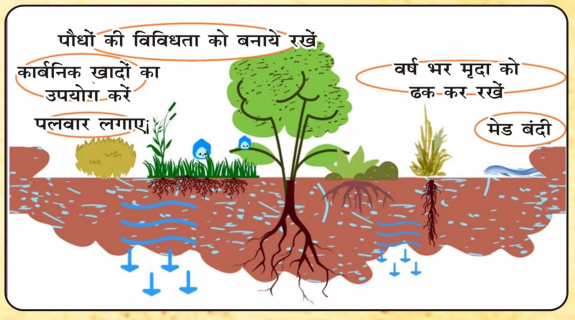

क्या आपके मृदा की मृत्यु हो रही है?
मृत मृदा क्या है और जीवित मृदा क्या है?

मृदा अपना पोषण कहाँ से प्राप्त करती है?

मृदा को जीवित रखने के लिए कार्बनिक पदार्थ आवश्यक होते है।

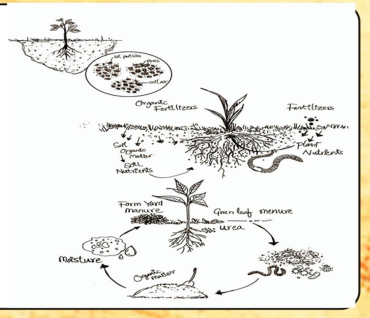

कार्बनिक पदार्थ पानी रोकता और भण्डारित करता है!

हमारी मृदा जीवित क्यों होनी चाहिए?
मृदा को जीवित रखने के लिए हम क्या कर सकते है?

पानी का प्रवाह कैसे होता है?

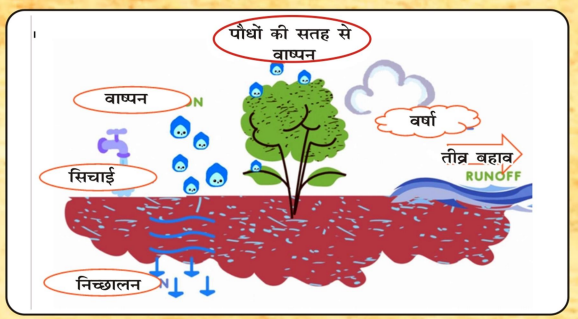

हम कार्बनिक पदार्थ को कैसे बढ़ा सकते हैं?

बहुफसली पद्धति अपनाकर
कम्पोस्ट बनाकर व उपयोग करके
स्थानीय बीजों का उपयोग करके
जैव उत्प्रेरक का उपयोग करके
पशुपालन का समन्वयन करके